

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण प्रेस विज्ञप्ति

भाविप्रा हवाईअड्डों पर इलेक्ट्रिक वाहनों को शामिल करने और चार्जिंग अवसंरचना ढांचे के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नई दिल्ली, 10 नवंबर, 2022: ई-मोबिलिटी की ओर बढ़ने के माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भाविप्रा) इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है, इलेक्ट्रिक वाहनों को शामिल करने के लिए हवाईअड्डा सेवा प्रदाताओं को प्रोत्साहित और हवाई अड्डों पर चार्जिंग अवसंरचना विकसित कर रहा है।

भारत उन चुनिंदा देशों में सम्मिलित है, जो वैश्विक ईवी30@30 अभियान का समर्थन करते हैं, जिसका लक्ष्य है कि 2030 तक नए वाहनों की बिक्री में कम से कम 30% इलेक्ट्रिक हों। भारत सरकार ने 2030 तक निजी कारों के लिए इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की 30% , वाणिज्यिक वाहनों के लिए 70% और दोपहिया और तिपहिया वाहनों के लिए 80% प्रयोग की इच्छा जताई है।

ईवी 30@30 अभियान क्लीन एनर्जी मिनिस्ट्रियल (सीईएम) के इलेक्ट्रिक वाहन पहल (ईवी I) की महत्वाकांक्षा को फिर से परिभाषित करता है, जिसका उद्देश्य 2030 तक ईवी के लिए 30% बिक्री हिस्सेदारी तक पहुंचना है। सीईएम विश्व के सबसे बड़े और अग्रणी देशों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और कंपनियों को एक ही मिशन: स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण में तेजी लाने के लिए एकजुट करता है।

आरंभ में, भाविप्रा ने हरित पहल के तहत नई दिल्ली में अपने निगमित और क्षेत्रीय मुख्यालय में आधिकारिक उपयोग के लिए 10 ई-वाहन शामिल किए। आज कुल 45 ई-वाहन भाविप्रा हवाईअड्डों और देश भर में फैले कार्यालयों में मूल उपकरण निर्माता ओईएम से सीधे खरीद किराए पर लेने के माध्यम से, एयरसाइड प्रचालन और सिटी साइड के उपयोग की आवश्यकताओं के लिए प्रयोग हो रहे हैं।

स्थान और आवश्यकता के आधार पर इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को विभिन्न तरीकों से चार्ज किया जा सकता है। तदनुसार, ईवी के लिए सार्वजनिक चार्जिंग अवसंरचना विभिन्न प्रकार की है और विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए डिज़ाइन की गई है। भाविप्रा सरकारी संगठनों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) (राज्य/केंद्रीय)/सरकारी डिस्कॉम और इसी तरह की अन्य सार्वजनिक संस्थाओं को हवाई अड्डों के वर्किंग स्थल के साथ-साथ हवाई क्षेत्र पर सार्वजनिक ईवी चार्जिंग अवसंरचना का निर्माण और संचालन करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। ।

भाविप्रा अपने अनुपयोज्यता मानदंडों को पूरा करने वाले वाले आईसीई वाहनों के प्रतिस्थापन के बदले में इलेक्ट्रिक वाहनों पर विचार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है । विभिन्न भाविप्रा हवाईअड्डों पर मौजूदा भाविप्रा डीजल, पेट्रोल और सीएनजी वाहनों को ई-वाहनों से बदलने के लिए तथा उचित चार्जिंग सुविधा सुनिश्चित करने हेतु चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए भाविप्रा द्वारा कार्रवाई की गई है।

पिछले एक दशक में भारत में वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ी है। हालांकि, जीवाश्म ईंधन पर चलने वाले वाहन पर्यावरण प्रदूषण का एक प्रमुख स्रोत हैं और गंभीर स्वास्थ्य खतरे पैदा करते हैं और दुनिया भर में जीवाश्म ईंधन के भंडार तेजी से कम हो रहे हैं। स्थिति की मांग है कि वाहनों को चलाने के लिए वैकल्पिक स्वच्छ, पर्यावरण के अनुकूल तकनीकों का पता लगाया जाए। भाविप्रा एक उत्तरदायी संगठन के रूप में 2030 तक इलेक्ट्रिक वाहनों पर पदांतरण करने के लिए 100% लक्ष्य प्राप्त करने हेतु प्रतिबद्ध है।

निगमित संचार निदेशालय द्वारा जारी
विवरण के लिए कृपया महाप्रबंधक (सीसी) से संपर्क करें:

011-24622787

प्रेस विज्ञप्ति संख्या 29/2022-23

AAI is committed to encourage the induction of electric vehicles and development of charging infrastructure at airports

New Delhi, 10th November, 2022: In line with the Hon'ble Prime Minister's vision of transitioning towards e-Mobility, Airports Authority of India (AAI) is consistently endeavoring towards switching over to Electric Vehicles, encouraging airport service providers for inducting electric vehicles and developing charging infrastructure at airports.

India is among a handful of countries that support the global EV30@30 campaign, which targets to have at least 30% new vehicle sales be electric by 2030. The Government of India has desired Electric Vehicle (EV) penetration of 30% for private cars, 70% for commercial vehicles and 80% for two and three-wheelers by 2030.

The EV30@30 campaign redefines the ambition of the Clean Energy Ministerial (CEM) 's Electric Vehicles Initiative (EVI), setting the objective to reach a 30% sales share for EVs by 2030. The CEM brings together the world's largest and leading countries, international organizations and companies to achieve a single mission: accelerate clean energy transitions.

Initially, AAI inducted 10 E-Vehicles for official use at its Corporate and Regional Headquarters at New Delhi under green initiative. Today, a total of 45 of e-Vehicles has been engaged at AAI Airports & Offices spread across the country through direct purchase for original equipment manufacturer OEM/ hiring, for airside operations & city side usage requirements.

Electric vehicles (EV) can be charged in a variety of ways, depending on location and requirement. Accordingly, public charging infrastructure for EVs is of different types and designed for different applications. AAI is encouraging Govt. Organizations / Public Sector Undertakings (PSU) (State/Central) / Government DISCOM and similar other Public entities to build and operate Public EV charging infrastructure at parking lots of Airports as well as air side area.

AAI is focusing on consideration to Electric Vehicles while hiring/leasing/purchasing against replacement of AAI owned ICE vehicles which are fulfilling condemnation norms. Actions have been taken by AAI for switching over from existing AAI Diesel, Petrol & CNG Vehicles to e-Vehicles at various AAI Airports along with charging stations to ensure proper charging facility.

The number of vehicles in India has been increasing rapidly over the last decade. However, vehicles driven on fossil fuels are a major source of environmental pollution and pose serious health hazards and stocks of fossil fuels are fast depleting across the globe. The situation demands that alternative clean, eco-friendly technologies be explored for running of vehicles. AAI as a responsible organization is committed for achieving 100 % target for switching over to Electric vehicles by 2030.

Issued by Corporate Communications Directorate

For details please contact GM (CC) at:

011-24622787

Press Release No 29/2022-23